



लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

FINANCIAL REGULATION IS EFFECTIVE INSTRUMENT OF PARLIAMENTARY OVERSIGHT: LOK SABHA SPEAKER/वित्तीय नियंत्रण संसदीय पर्यवेक्षण का प्रभावी साधन: लोक सभा अध्यक्ष

...

COMMITTEES FULFILL IMPORTANT RESPONSIBILITY OF PARLIAMENT BY ENSURING EXECUTIVE ACCOUNTABILITY: LOK SABHA SPEAKER/समितियां कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित कर संसद के अतिमहत्वपूर्ण दायित्व को पूरा करती हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE ENSURES FINANCIAL ACCOUNTABILITY AND GUIDES GOVERNMENT TOWARDS FORMULATING POLICIES AIMED AT INCLUSIVE DEVELOPMENT: LOK SABHA SPEAKER/लोक लेखा समिति सरकार की वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ साथ समावेशी विकास की दिशा में नीतियां बनाने में सरकार का मार्गदर्शन करती हैं: लोक सभा अध्यक्ष

...

DELEGATION FROM STANDING COMMITTEE ON PUBLIC ACCOUNTS OF PARLIAMENT OF SOUTH AFRICA CALLS ON LOK SABHA SPEAKER/दक्षिण अफ्रीका गणराज्य की संसद की लोक लेखा संबंधी स्थायी समिति के प्रतिनिधिमंडल ने लोक सभा अध्यक्ष से मुलाकात की

...

New Delhi, 3 February, 2023: A Parliamentary delegation led by Hon'ble Mr. Mkhuleko Hlengwa, Chairman, Public Accounts Committee of the Parliament of the Republic of South Africa called on the Lok Sabha Speaker, Shri Om Birla in Parliament House Complex. Earlier, the Members of the Delegation held a meeting with the Public Accounts Committee of the Indian Parliament and held discussions.

Parliamentary diplomacy, India's leadership of G20, parliamentary procedure and Committee System etc. were inter alia discussed between the Lok Sabha Speaker and the visiting delegation.

On this occasion, Shri Birla informed that the Public Accounts Committee of India is the oldest financial committee of the Parliament, established 102 years ago, in the year 1921. He noted that in the year 2021, the centenary year of the Public Accounts Committee was celebrated in the Parliament of India.

About the working of the Committee System, especially the Public Accounts Committee, Shri Birla observed that the Committees fulfill a very important responsibility of Parliament by holding the executive to account. He added that financial control is one of the most effective means through which the legislature keeps a check on the executive and the Public Accounts Committee has a leading role in this endeavor. Shri Birla also mentioned that along with ensuring financial accountability, the Public Accounts Committee also guides the government towards formulating policies aimed at inclusive development.

Mentioning the historical relations between India and South Africa, Shri Birla said that both nations believe in democratic values. He added that both countries have enjoyed close and cordial relations and that their bilateral relations are based on multifaceted and mutual cooperation. In the context of Mahatma Gandhi's long association with South Africa, Shri Birla said that in the beginning Mahatma Gandhi perfected Satyagraha in South Africa and eventually showed humanity the path of peaceful and non-violent struggle. Shri Birla was happy to note that India showed the path towards freedom from colonialism and oppression to the entire world, which later inspired Nelson Mandela to rid the country of apartheid and colonial rule.

Referring to India's chairmanship of the G-20, Shri Birla said that the G-20 is a major forum for international economic cooperation where India intends to raise important issues relating to developing countries and the Global South. He informed the Delegation that this year the P-20 Conference of Speakers of the Parliaments of G-20 countries will also be held in India. Similar to the spirit of 'Vasudhaiva Kutumbakam', the theme of G-20 this year is 'One Earth, One Family, One Future', and accordingly India, the mother of democracy, will try to tackle global issues through the G20 platform.

Chairman of Public Accounts Committee Shri Adhir Ranjan Chowdhury also remained present on the occasion.

नई दिल्ली 3 फरवरी, 2023: दक्षिण अफ्रीका की संसद की लोक लेखा समिति के सभापति माननीय श्री मखुलेको हलेंगुआ के नेतृत्व में एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन परिसर में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से मुलाकात की। इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भारतीय संसद की लोक लेखा समिति से मुलाकात की और चर्चा संवाद किया।

लोक सभा अध्यक्ष और शिष्टमंडल के बीच संसदीय राजनय, भारत की जी 20 समूह की अध्यक्षता, संसदीय कार्यकरण एवं समिति व्यवस्था जैसे विषयों पर चर्चा हुई। इस अवसर पर सर्वप्रथम श्री बिरला ने बताया कि भारत की लोक लेखा समिति , संसद की सबसे पुरानी वित्तीय समिति है जिसकी स्थापना 102 वर्ष पहले सन 1921 में हुई थी। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2021 में भारतीय संसद में लोक लेखा समिति का शताब्दी वर्ष समारोह मनाया था।

समिति व्यवस्था , विशेषकर लोक लेखा समिति , के कार्यकारण के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि समितियां कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित कर संसद के एक अति महत्वपूर्ण दायित्व को पूरा करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय नियंत्रण एक ऐसा प्रभावी साधन है जिसके माध्यम से विधायिका कार्यपालिका पर निगरानी रखती है और इस कार्य में लोक लेखा समिति की अग्रणी भूमिका है। श्री बिरला ने इसी सन्दर्भ में आगे कहा कि लोक लेखा समिति सरकार की वित्तीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के साथ साथ समावेशी विकास की दिशा में नीतियां बनाने में सरकार का मार्गदर्शन भी करती है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश लोकतान्त्रिक मूल्यों में आस्था रखते हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों के बीच घनिष्ठ और सौहार्दपूर्ण संबंध रहे हैं और दोनों के द्विपक्षीय संबंध बहुआयामी और पारस्परिक सहयोग पर आधारित हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का दक्षिण अफ्रीका से लम्बे संबंध के सन्दर्भ में श्री बिरला ने कहा कि महात्मा गांधी ने पहली बार दक्षिण अफ्रीका में ही सत्य , अहिंसा और सत्याग्रह के प्रयोग किए थे और मानवता को शांतिपूर्ण और अहिंसक संघर्ष का रास्ता दिखाया था। श्री बिरला ने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने संपूर्ण विश्व को औपनिवेशिक एवं दमनकारी शक्तियों से मुक्ति का मार्ग दिखाया जिसकी प्रेरणा से आधुनिक दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला ने अपने देश को रंगभेद और औपनिवेशिक शासन से मुक्ति दिलाई।

भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि जी-20 अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का एक प्रमुख मंच है जहां भारत विकासशील देशों और ग्लोबल साउथ के महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने की मंशा रखता है। उन्होंने शिष्टमंडल के सदस्यों को सूचित किया कि इस वर्ष जी- 20 देशों की संसदों के अध्यक्षों के पी-20 सम्मेलन का आयोजन भी भारत में होगा। 'वसुधैव कुटुंबकम्' के

अनुरूप इस वर्ष जी- 20 की थीम- 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है जिसके अनुसार लोकतंत्र की जननी भारत जी 20 मंच पर वैश्विक मामलों के प्रभावी समाधान का प्रयास करेगा।

इस अवसर पर लोक लेखा समिति के सभापति श्री अधीर रंजन चौधरी भी मौजूद रहे